लेफ्टिनेंट जनरल राज शुक्ला, पी.वी.एस.एम., वाई.एस.एम., एस.एम. (सेवानिवृत्त),
सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग का जीवनवृत्त

भारतीय सेना में चार दशकों के अपने सेवाकाल के दौरान ले.ज. राज शुक्ला को सैन्य क्षेत्र का व्यापक अनुभव रहा है। उन्होंने आतंकवाद रोधी अभियान के इन्फैंट्री ब्रिगेड, कश्मीर घाटी में नियंत्रण रेखा के साथ लगे बारामूला डिवीजन और देश की पश्चिमी सीमाओं से लगे एक प्रधान सैन्यदल की कमान संभाली है।

डिफेन्स सर्विसेज स्टॉफ कॉलेज - वेलिंगटन, कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट - सिकंदराबाद और नेशनल डिफेंस कॉलेज- नई दिल्ली के पूर्व छात्र ले. जनरल राज शुक्ला ने डॉक्ट्रिन्स/फोर्स स्ट्रक्चरिंग का कार्य कर रहे मिलिट्री ऑपरेशंस महानिदेशालय में अपने दो कार्यकाल पूरे किए। तत्पश्चात उन्होंने मिलिट्री फ्यूचर्स एंड फोर्स माडर्नाइजेशन से संबंधित मामलों के लिए महानिदेशक, पर्सपेक्टिव प्लानिंग का भी कार्यभार संभाला। वे भारतीय सेना के प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्थान और थिंक टैंक - आर्मी वार कॉलेज के कमांटडेंट भी रहे।

ले. जनरल शुक्ला एक पेशेवर एविएटर और कुशल वक्ता होने के साथ-साथ सामरिक सैन्य कार्यकलापों में उनकी गहरी रूचि रही है। उनके लगभग 70 लेख/प्रकाशन हैं और भारत तथा विदेशों में 180 से अधिक परिचर्चाओं/संगोष्ठियों में उन्होंने भाग लिया है।

भारतीय सेना के ट्रेनिंग कमांड (ए आर टी आर ए सी) के 22 वें जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ-आर्मी कमांडर के रूप में इन्होंने भारत की सामरिक-सैन्य संभावनाएं, प्रौद्योगिकीय नवाचार, पेशेवर सैन्य शिक्षा, क्षमता संवर्धन, युद्ध कौशल संतुलन और सिविल मिलिट्री फ्यूज़न के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

इनकी अति असाधारण सेवा को ध्यान में रखते हुए इन्हें गणतंत्र दिवस, 2021 को परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया।

माननीय राष्ट्रपति महोदय द्वारा ले. ज. राज शुक्ला को 18 जुलाई, 2022 को 'सदस्य संघ लोक सेवा आयोग,' के रूप में नियुक्त किया गया।